रेप के आरोप में टीएमसी विधायक परेशराम एयरपोर्ट से गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सोमवार को बरुईपुर जिला पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने तृणमूल कांग्रेस के विधायक परेशराम दास को कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है. टीएमसी विधायक परेशराम दास पर यौन उत्पीड़न का आरोप है और पुलिस के मुताबिक विधायक को उस वक्त गिरफ्तार किया गया, जब वह मुंबई भागने की कोशिश कर रहे थे।



न्यूज एजेंसी के मुताबिक, दुष्कर्म के अलावा कैनिंग पश्चिम के विधायक परेशराम दास पर इससे पहले मटला नदी के किनारे पर अवैध कब्जा करने के आरोप भी लगे थे. इसके अलावा, 2023 के पंचायत चुनावों के दौरान हिंसा भड़काने की साजिश रचने का आरोप भी उन पर लगाया गया था।

बंगाल पुलिस ने मामले को लेकर बताया कि कैनिंग थाने में दर्ज केस संख्या 561/2026 में टीएमसी विधायक परेशराम दास आरोपी है. यह मामला 5 सितंबर, 2026 को दर्ज किया गया था. इसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 376, 323, 420, 120बी और 506 के तहत आरोप लगाए गए हैं. इसके अलावा, चुनाव बाद हिंसा के सिलसिले में भी विधायक के खिलाफ कई अन्य मामले और एफआईआर दर्ज होने की बात सामने आई है।

करीब तीन साल पहले सितंबर महीने में एक महिला ने कैनिंग के एसडीपीओके सामने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक परेशराम दास के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी. महिला का आरोप था कि विधायक ने उसे घर में बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था।

इसके अलावा, 2023 के पंचायत चुनावों के दौरान हुई हिंसक घटनाओं में भी सीआईडी ने विधायक की भूमिका को लेकर आरोप लगाए थे. उस दौरान पंचायत चुनाव के आसपास इलाके में तनाव और हिंसा की घटनाएं हुई थीं. एक फायरिंग की घटना के बाद हत्या की कोशिश का मामला भी दर्ज किया गया था, जिसकी जांच बाद में सीआईडी ने अपने हाथ में ले ली थी।

श्रीनगर में पीएमएलए के तहत 10.63 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के श्रीनगर जोनल कार्यालय ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के दुरुपयोग से जुड़े एक मामले में, धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत 10.63 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है।

ईडी ने बताया कि यह अस्थायी कुर्की आदेश 11 संपत्तियों (जमीन और इमारतों) के लिए जारी किया गया है. ये संपत्तियां श्रीनगर और बांदीपोरा जिलों में स्थित हैं और उस समय उन लोगों के कब्जे में पाई गईं, जो सप्लायर और ब्रोकर के रूप में काम करते थे. इनमें छ्त्रू बैंक का एक अधिकारी भी शामिल है, जो पीएमईजीपी योजना के दुरुपयोग में लिप्त था।

ईडी ने अपनी जांच की शुरुआत एसीबी और सीबीआई , श्रीनगर की तरफ से दर्ज दो एफआईआर के आधार पर की. इन एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि पीएमईजीपी के कर्जदारों,जे एण्ड के बैंक की सुंबल और गमुद गदखुद शाखाओं के अधिकारियों और कुछ अन्य अज्ञात व्यक्तियों ने आपराधिक साजिश रचकर पीएमईजीपी लोन की राशि का गबन किया है.सीबीआई और एसीबी ने जून 2026 में इस मामले में एक नई एफआईआर भी दर्ज की है।

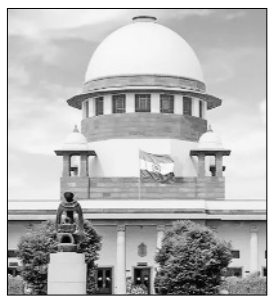
जांच से पता चला है कि बैंक अधिकारियों और निजी ब्रोकरों के साथ आपराधिक साजिश रचकर, फर्जी कंपनियों/फर्मों के नकली इनवॉइस का इस्तेमाल किया गया और डमी (फर्जी) कर्जदारों को खड़ा करके पीएमईजीपी लोन लिए गए. अपराधों से हासिल की गई संदिग्ध रकम को कई बैंक खातों के जरिए इधर-उधर घुमाया गया. इस पैसे का कुछ हिस्सा संपत्तियों के निर्माण/नवीनीकरण और निजी लाभ के लिए इस्तेमाल किया गया।

अपराधियों का स्वागत रसगुल्ले से नहीं करेंगे:शुभेंदु

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने 9 नवंबर को उत्तर दिनाजपुर जिले में नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या के आरोपी की पुलिस एनकाउंटर में हुई मौत का बचाव किया है. उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करने का हक है और बीजेपी सरकार ने दुष्कर्मियों, नशा तस्करों और घुसपैठियों से निपटने के लिए पुलिस को खुली छूट दे रखी है।न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के दीघा में मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा, 'पुलिसकर्मी हर आरोपी पर गोली नहीं चलाते, लेकिन दुष्कर्म, हत्या, नशीले पदार्थों की तस्करी और बांग्लादेश से घुसपैठ जैसे मामलों में उन्हें अपने वरिष्ठ अधिकारियों से अनुमति का इंतजार किए बिना कार्रवाई करने का अधिकार दिया गया है।इस दौरान ष्टरूशुभेंदु अधिकारी ने सवाल किया, 'क्या पुलिस हर आरोपी को गोली मार देती है ? जब कोई पुलिस पर हमला करता है, तो वे (पुलिसकर्मी) आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हैं.

48 घंटे से ज्यादा न्यायिक हिरासत में रहे तो स्वत: हो जायेंगे सस्पेंड: एससी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी कर्मचारियों के निलंबन पर बड़ा फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि अगर किसी सरकारी कर्मचारी को गिरफ्तार किया जाता है और वह 48 घंटे से ज्यादा समय तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उसे स्वत: निलंबित (सस्पेंडेड) माना जाएगा। कोर्ट ने ये भी कहा कि ऐसे मामलों में किसी अलग आदेश की जरूरत नहीं है। जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने बिहार के समस्तीपुर स्थित सदर अस्पताल के प्रशासक विश्वजीत सिंह को मिली जमानत को बहाल करते हुए यह टिप्पणी की।सिंह पर एक संविदा कर्मचारी के 36,421 रुपये बकाया वेतन को जारी करने के एवज में 4,000 रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया गया था। शीर्ष अदालत ने उसे जमानत मिलने के करीब एक साल बाद (जमानत) रद्द कर दिये जाने संबंधी पटना हाईकोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया। पीठ ने कहा कि हालांकि मांगी गई रिश्वत की रकम जमानत याचिका पर फैसला लेने के लिए कोई प्रासंगिक बात नहीं थी, फिर भी हाईकोर्ट जमानत रद्द किए बिना भी यह टिप्पणी कर स क त ा था।जमानत बहाल करते हुए, शीर्ष अदालत ने आरोपी की सेवा स्थिति और उसके बाद मिले पदस्थापन से जुड़ी एक चिंताजनक विषय की ओर भी ध्यान दिलाया। अदालत ने कहा, हालांकि, एक चिंताजनक बात है जिसे हमें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसा लगता है कि गिरफ्तारी के बाद, अपीलकर्ता (आरोपी) लगभग 15 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहा। पीठ ने कहा, जब कोई लोक सेवक गिरफ्तार होता है और 48 घंटे से ज्यादा समय तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उसे स्वत: निलंबित माना जाता है। उसके लोक सेवक होने के नाते, यह कहा जा सकता है कि वह स्वत: निलंबित हो गया है। इस संबंध में किसी अलग आदेश की जरूरत नहीं होती है।शीर्ष अदालत ने इस बात पर गौर किया कि सिंह को निलंबित किया गया था, लेकिन बाद में उसका निलंबन आदेश रद्द कर दिया गया। पीठ ने कहा, हैरानी की बात यह है कि उसे फिर से उसी अस्पताल में और उसी पद पर तैनात कर दिया गया है। राज्य सरकार को इस मामले पर जल्द से जल्द गौर करना चाहिए। हमें उम्मीद है कि राज्य सरकार कानून के अनुसार इस मामले में जरूरी कदम उठाएगी। सिंह ने पटना हाईकोर्ट के 1 जुलाई 2026 के आदेश को चुनौती दी थी। इस आदेश में शिकायतकर्ता की याचिका को स्वीकार करते हुए निर्देश दिया गया था कि आरोपी को दी गई नियमित जमानत को रद्द कर उसे हिरासत में ले लिया जाए।मामले के रिकॉर्ड के अनुसार, 2025 में सतर्कता पुलिस थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7(बी) के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोपी समस्तीपुर के सदर अस्पताल में प्रशासक के पद पर तैनात था। आरोप है कि उसने शिकायतकर्ता के 36,421 रुपये बकाया वेतन का भुगतान कराने के लिए अवैध रिश्वत के तौर पर 4,000 रुपये की मांग की थी। गिरफ्तारी के बाद, आरोपी को सत्र न्यायालय से जमानत मिल गई थी। इसके बाद शिकायतकर्ता ने हाई कोर्ट में इस जमानत आदेश को चुनौती दी, जिसने इसे रद्द कर दिया।सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि हाई कोर्ट ने आरोपी की रिहाई के लगभग एक साल बाद जमानत आदेश में हस्तक्षेप किया था।



दीवों की रोशनी से जगमगाया देश, दिवाली की धूम

नयी दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में दिवाली का त्योहार बड़े ही उत्साह और खुशी के साथ मनाया जा रहा है। हर तरफ रौनक ही रौनक नजर आ रही है। लोगों ने अपने घरों, दुकानों और बाजारों को रंग-बिरंगी लाइटों और दीयों से सजाया है। दिल्ली से लेकर अयोध्या, वाराणसी, अमृतसर और जयपुर तक हर शहर रोशनी से जगमगा उठा है। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी त्योहार की खुशियों में डूबे नजर आ रहे हैं। देश के कोने-कोने से दिवाली की खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो सामने आ रहे हैं। आप भी देखिए देशभर में कैसे मनाया जा रहा है रोशनी का यह



त्योहार।दीपावली के पावन अवसर पर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर का ऐतिहासिक लाल चौक उस समय रोशनी से जगमगा उठा, जब घंटाघर के आस-पास 11,000 मिट्टी के दीये जलाए गए और उनसे भारत विश्व गुरु का संदेश उकेरा गया। कभी अलगाववादी रैलियों, पत्थरबाजी और आतंकवादी घटनाओं के लिए पहचाने जाने वाले लाल चौक की यह तस्वीर आज शांति, सांस्कृतिक एकता और नए कश्मीर की बदलती पहचान को दर्शाती नजर आई। इस खास मौके पर स्थानीय लोगों, पर्यटकों, कश्मीरी पंडितों, युवाओं और मुस्लिम महिलाओं ने भी हिंदू समुदाय के लोगों के साथ मिलकर दीपावली का उत्सव मनाया।देश की राजधानी दिल्ली में दीपावली के अवसर पर साउथ एक्सटेंशन इलाके की दुकानें रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठीं। दिल्ली के लोधी एस्टेट इलाके में लोगों ने पटाखे जलाकर दीपावली का त्योहार मनाया।जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडितों ने ऐतिहासिक सूर्य मंदिर में हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ दीपावली का पर्व मनाया। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना कर सभी के लिए शांति, समृद्धि, सुख और खुशहाली की कामना की।

दीवाली के बाद रामायण ने बॉक्स ऑफिस पर किया धमाका

नयी दिल्ली (एजेंसी)। रणबीर कपूर, यश, साई पल्लवी, रवि दुबे और अरुण गोविल जैसे सितारों से सजी माइथोलॉजिकल फिल्म रामायण ने 5 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी। घरेलू कलेक्शन में फिल्म ने पहले दिन 64 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी लेकिन अगले ही दिन इसकी कमाई में गिरावट दर्ज की गई।यही सिलसिला वीकेंड तक चलता रहा, जिसकी वजह शायद दीवाली का त्योहार भी रहा क्योंकि लोग सेलिब्रेशन में व्यस्त थे। हालांकि अब सोमवार को यानी रिलीज के 5वें दिन रामायण ने जबरदस्त कमाई की है।सैकनिल्क के मुताबिक, रामायण ने रविवार को 56.15 करोड़ रुपये का कलेक्शन के बाद सोमवार को जबरदस्त बढ़त दर्ज की और 5वें दिन 93.49 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, वहीं फिल्म का इंडिया ग्रॉस कलेक्शन 110.32 करोड़ रुपये रहा।

मुस्लिम शख्स ने किया था संघ पर प्रतिबंध का विरोध:भागवत

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि स्वयंसेवक ही संघ की पहचान हैं और संघ की स्थापना के 100 साल बाद भी यह पहचान बनी हुई है। सोमवार को नागपुर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के नवीनीकृत मुख्यालय में नवनिर्मित सभागार का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने संघ के शुरुआती दिनों से जुड़ा एक किस्सा भी सुनाया।भागवत ने बताया, 1930 के दशक में सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर पहली बार प्रतिबंध लगाने की कोशिश की गई थी। उस समय संघ का बचाव करने के लिए कोई स्वयंसेवक मौजूद नहीं था। संघ की विचारधारा का समर्थन करने वाला भी कोई नहीं था। ऐसे में इब्राहिम नाम के एक व्यक्ति ने संघ के समर्थन में आवाज उठाई थी।भागवत के अनुसार, इब्राहिम ने कहा था कि संघ को बंद नहीं किया जाना चाहिए और वह सांप्रदायिक संगठन नहीं है। उन्होंने यह भी कहा था कि हिंदुस्तान को हिंदू राष्ट्र कहने वालों को मानसिक अस्पताल भेज देना चाहिए, लेकिन वह डॉ. हेडगेवार को जानते हैं और वे अच्छे व्यक्ति हैं। इसलिए संघ को सांप्रदायिक नहीं कहा जा सकता।संघ प्रमुख ने कहा कि उस समय संगठन की स्थापना को कुछ ही साल हुए थे। संघ बहुत प्रसिद्ध नहीं था, लेकिन डॉ. हेडगेवार को सभी जानते थे। उन्होंने कहा कि संघ की शुरुआत के साथ ही स्वयंसेवक उसकी पहचान बन गए थे और आज भी 100 साल बाद यही स्थिति है।भागवत ने प्रचारकों के जीवन पर लिखी जा रही एक पुस्तक का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे लोगों के जीवन के बारे में कृतज्ञता और स्नेह के कारण लिखा जा रहा है, न कि किसी भौतिक लाभ के लिए। उन्होंने कहा कि किसी प्रचारक ने कभी ऐसी अपेक्षा नहीं की और न ही भविष्य में करेगा, क्योंकि उसे इससे कोई भौतिक लाभ नहीं मिलता। एक प्रचारक के लिए संघ ही सब कुछ होता है। उसके लिए संघ के अलावा कुछ और नहीं होता।भागवत ने कहा कि ऐसे लोगों के प्रति स्वाभाविक रूप से श्रद्धा और सम्मान का भाव पैदा होता है।

राहुल गांधी की प्रधानमंत्री को बहस की चुनौती

(आज समाचार सेवा)

नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली बहस की चुनौती दी है। उन्होंने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को संबोधित करते हुए आरा. प लगाया कि प्रधानमंत्री ने उन्हें नक्सली कहा है, जबकि जवानों के चेहरों से साफ था कि उन्हें प्रधानमंत्री की बातों पर भरोसा नहीं है।राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि उनकी चुनौती कायम है। प्रधानमंत्री किसी भी समय और किसी भी जगह उनसे बहस कर सकते हैं कि देशद्रोही कौन है और विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन काम कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस बहस के बाद प्रधानमंत्री किसी भी जवान के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं जुटा पाएंगे।

कांग्रेस को मिलने वाले चंदे में 75% की गिरावट

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस को वित्त वर्ष 2025-26 में मिलने वाले चंदे में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। पार्टी को 20 हजार रुपये से अधिक के चंदे के रूप में कुल 130.69 करोड़ रुपये मिले हैं। यह राशि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में मिले 517.39 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 75 प्रतिशत कम है। पिछले एक दशक में कांग्रेस के चंदे में यह सबसे बड़ी सालाना गिरावट है।

निर्वाचन आयोग को सौंपी गई कांग्रेस की योगदान रिपोर्ट के विश्लेषण से यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पार्टी को 2024-25 में 20 हजार रुपये से अधिक के चंदे के रूप में 517.39 करोड़ रुपये मिले थे। वहीं, 2025-26 में यह रकम घटकर 130.69 करोड़ रुपये रह गई। यानी एक साल में पार्टी को करीब 386.70 करोड़ रुपये कम चंदा मिला।

कांग्रेस को मिलने वाले चंदे में गिरावट की एक बड़ी वजह फ्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट से मिलने वाली रकम का कम होना है। इस ट्रस्ट ने 2024-25 में कांग्रेस को 216.34 करोड़ रुपये दिए थे। लेकिन 2025-26 में इसका योगदान घटकर केवल 25 करोड़ रुपये रह गया। यानी ट्रस्ट से मिलने वाली रकम में करीब 88 प्रतिशत की कमी आई है।

पार्टी की नवीनतम योगदान रिपोर्ट में फ्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट को एकमात्र इलेक्टोरल ट्रस्ट के रूप में दर्ज किया गया है। इसके अलावा, स्टार सीमेंट ने कांग्रेस को 5 करोड़ रुपये का चंदा दिया। वहीं, सज्जन भजंका ने 4 करोड़ और प्रेम कुमार भजंका ने 2 करोड़ रुपये का योगदान दिया।पिछले 12 वित्त वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो कांग्रेस के चंदे में इससे बड़ी गिरावट 2015-16 में दर्ज की गई थी। उस समय पार्टी को मिलने वाला चंदा पिछले वित्त वर्ष के 141.46 करोड़ रुपये से करीब 86 प्रतिशत घट गया था। हालांकि, हाल के वर्षों में कांग्रेस के चंदे में लगातार बढ़ोतरी हुई थी। वित्त वर्ष 2023-24 में पार्टी को 281.48 करोड़ रुपये मिले थे। इसके बाद 2024-25 में लोकसभा चुनाव के दौरान यह रकम बढ़कर 517.39 करोड़ रुपये हो गई थी। लेकिन 2025-26 में इसमें भारी कमी आ गई।चंदे के मामले में कांग्रेस भाजपा से काफी पीछे है। वित्त वर्ष 2024-25 में भाजपा को 20 हजार रुपये से अधिक के चंदे के रूप में 6,074.02 करोड़ रुपये मिले थे। यह रकम कांग्रेस को मिले चंदे से करीब 12 गुना ज्यादा थी। हालांकि, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भाजपा के चंदे का आंकड़ा अभी उपलब्ध नहीं है। निर्वाचन आयोग ने फिलहाल भाजपा की योगदान रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की है। पिछले 12 वित्त वर्षों के आंकड़ों में हर बार भाजपा को कांग्रेस से ज्यादा चंदा मिला है।इन आंकड़ों में चुनावी बॉण्ड से मिले चंदे को शामिल नहीं किया गया है। जब चुनावी बॉण्ड योजना लागू थी, तब इससे मिलने वाली रकम का ब्योरा अलग से दिया जाता था।

एक साल में 386 करोड़ रुपये कम हुए

मानसून सत्र के स्थगन के ८८ दिन बाद भी नहीं हुआ सत्रावसान आदेश

(आज समाचार सेवा)

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संसद के मानसून सत्र के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के ८८ दिन बाद भी सत्रावसान की अधिसूचना जारी नहीं होने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोकसभा में परिस. ीमन विधेयकों को पारित कराने के लिए गश्ह मंत्री को दो-तिहाई बहुमत जुटाने का समय दे रही है।जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने और सत्रावसान के बीच सामान्यत: दो से चार दिन का अंतर रहता है। संसद की कार्यप्रणाली पर प्रकाशित पुस्तक श्कौल एंड शकधरश के अनुसार, यह अंतर अधिकतम २८ दिन रहा है। हालांकि, संसदीय कार्य मंत्री ने १६ अक्टूबर २०२६ को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में वर्ष २००८ के मानस. न सत्र के दौरान ८७ दिन तक सत्रावसान नहीं होने का उल्लेख किया था।

प्रथम पृष्ठ का शेष

पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक...

रूप में 5 लाख रुपये मांगे गए थे। जब निगरानी टीम ने पटना स्थित आवास पर छापा मारा तब अभियुक्त रितेश चन्द्र सिन्हा ने अपने हाथों से ली गई रिश्वत की राशि को हड़बड़ाहट में फ्लैट की खिड़की से बाहर नीचे फेंक दिया। हालांकि सतर्क निगरानी टीम ने तत्परता दिखाते हुए उस फेंकी गई राशि को तुरंत मौके से सुरक्षित बरामद कर लिया। छापेमारी और तलाशी के क्रम में अभियुक्त के आवास से 6,11,900 रुपये नकद और कई अहम दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इसके अलावा पटना में जमीन की रजिस्ट्री के केवाला मूल्य 9,02,000 रुपये के कागजात, एग्रीमेंट फॉर सेल डीड और पत्नी के नाम से कंस्ट्रक्शन कंपनी की रसीदें भी मिली हैं। अनुसंधान के दौरान अभियुक्त के कुल 12 बैंक खातों की जानकारी मिली है, जिनमें 52,92,270 रुपये जमा पाए जाने पर उनके संचालन को फ्रीज कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त एक बैंक लॉकर सील किया गया है तथा विभिन्न बीमा कंपनियों की 9 पॉलिसियों और जेवरात की खरीद से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है।निगरानी ने घटनास्थल से जब्त गुलाबी रंग के हाथ के धोवन प्रदर्श को विशेष अदालत के आदेश के बाद वैज्ञानिक जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेज दिया है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जल्द ही अनुसंधान पूरा कर आरोप पत्र समर्पित करने और त्वरित विचारण के जरिए अधिकतम सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।दीपावली के अवकाश के दिन भी सुनियोजित ढंग से की गई यह कार्रवाई इस वर्ष 2026 का 121वां ट्रैप कांड है, जिसके साथ ही ब्यूरो ने इस साल कुल 120 भ्रष्ट लोक सेवकों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष ट्रैप मामलों में लगभग 40प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो ब्यूरो की सख्त मंशा को दर्शाता है।

स्कूलों में अब फेस ...

की प्रक्रिया पूरी करनी होगी. इसमें पहले से पंजीकृत आंकड़ों के आधार पर शिक्षक की पहचान का सत्यापन किया जायेगा। उपस्थिति दर्ज करने के लिए शिक्षक को एप में कैप्चर अटेंडेंस बटन पर क्लिक करना होगा. इस दौरान मोबाइल का फ्रंट कैमरा चालू रखना अनिवार्य होगा। कैमरे के सामने शिक्षक को अपना चेहरा स्पष्ट रूप से दिखाना होगा. ऐप फेस रिकॉग्निशन तकनीक से चेहरे का मिलान पंजीकृत डाटा से करेगा। इसके साथ ही रेटिना स्कैन के जरिये आंखों की पहचान का भी सत्यापन किया जायेगा।पूरी प्रक्रिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) की मदद ली जायेगी. शिक्षक के चेहरे और रेटिना के आंकड़ों का पहले से पंजीकृत डाटा से मिलान किया जायेगा। सत्यापन के दौरान शिक्षक का चेहरा स्पष्ट दिखना जरूरी होगा.ल। इसके लिए चश्मा और मास्क नहीं पहनने की हिदायत दी जायेगी। नयी व्यवस्था में मोबाइल ऐप के जरिये शिक्षक की लोकेशन भी ट्रैक की जायेगी। इसके लिए जीपीएस का इस्तेमाल होगा. शिक्षक को स्कूल परिसर में मौजूद रहकर ही उपस्थिति दर्ज करनी होगी। स्कूल के पास पहुंच कर अटेंडेंस बनाने की शिकायतों को भी दूर किया जायेगा। प्रस्तावित व्यवस्था में शिक्षकों की स्कूल आने और जाने, दोनों समय की उपस्थिति दर्ज करने की तैयारी है। यानी इन और आउट अटेंडेंस के लिए फेस रिकॉग्निशन और रेटिना आधारित सत्यापन किया जा सकता है। इसका उद्देश्य फोटो आधारित हाजिरी में सामने आ रही गड़बड़ियों को रोकना और स्कूलों में शिक्षकों की वास्तविक उपस्थिति सुनिश्चित करना है।

कैंसर की...

मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कैंसर की १३७ दवाओं के एमआरपी पर दुकानदारों के मुनाफे की सीमा निर्धारित की है। यह फैसला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है।एनपीपीए के अनुसार, आठ नवंबर तक ८५ दवा कंपनियों ने १२१ दवाओं के १,३६४ उत्पादों की नई कीमतों की जानकारी दी है। इनमें ६७६ ब्रांड की दवाओं के दाम ५० फीसदी से अधिक घटाए गए हैं। सबसे अधिक ६६.४५ फीसदी की कटौती दर्ज की गई है।

स्कार्पियो से कुचलकर...

और मातम पसरा हुआ है। मृतकों की पहचान रमडिहरा गांव निवासी राम नरेश यादव के 51 वर्षीय पुत्र कमलेश यादव और 54 वर्षीय पुत्र दिनेश यादव के रूप में हुई है। दोनों सगे भाई थे और पेशे से ट्रक ड्राइवर थे। इस घटना में जख्मी हुए अन्य लोगों में मृतकों के भाई करिया कुमार, धर्मेंद्र पंडित सहित कुल सात लोग शामिल हैं, जिनका इलाज सदर अस्पताल, आरा में चल रहा है। फिलहाल तीन घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है और वे सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती हैं। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक पांच भाई हैं और सभी ट्रक चलाकर ही अपने परिवार की आजीविका चलाते थे। मृतकों में बड़े भाई दिनेश यादव थे। वहीं, हादसे में जान गंवाने वाले कमलेश यादव की बेटी की शादी अप्रैल 2027 में तय थी, जिसकी तैयारियां चल रही थीं। अचानक हुई इस घटना से परिवार की खुशियां उजड़ गईं और स्कार्पियो ड्राइवर घर के सभी सदस्य घर छोड़कर फरार हो गए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, रमडिहरी गांव के सूर्य मंदिर के समीप सड़क के किनारे सभी लोग मौजूद थे। बताया जा रहा है कि पहले से ही गांव में वर्चस्व को लेकर विवाद चल रहा था और मृतक गलत कार्यों का विरोध करते थे। घटना की रात स्कार्पियो ड्राइवर और मृतकों के बीच किसी बात को लेकर तू-तू मैं-मैं (बहस) हुई थी। इसके अलावा, चर्चा है कि वह स्कार्पियो हाल ही में गांव में आई थी और चालक उसे काफी तेजी व लापरवाही से चलाता था, जिसको लेकर पहले भी विवाद हुआ था। आरोप है कि इसी रंजिश और विवाद के दौरान स्कार्पियो चालक ने सड़क के किनारे खड़े लोगों को जानबूझकर रौंद दिया और मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बिहिया थानाध्यक्ष विपिन बिहारी, टीओपी प्रभारी रामस्वरूप यादव और पीएसआई रौशन कुमार दल-बल के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही उन्हें दबोच लिया जाएगा। आक्रोशित लोगों ने बिहिया चौरास्ता सलेमपुर बेलवनिया पथ स्थित रामडिहरा में सड़क लगभग दो घंटे जाम कर दिया गया। डीएसपी रवि कुमार के आश्वासन पर जाम समाप्त हुआ।

दोषी बख्शे नहीं...

है। दीपावली की देर रात छठ पर्व का गाना बजाने के विवाद में स्कार्पियो सवार बदमाशों ने सगे भाई समेत आठ लोगों को रौंद दिया। घटना के विरोध में लोगों ने सड़क जाम करके बवाल किया।

यह वारदात जिले के के बिहिया थाना क्षेत्र के रामडीहरा गांव स्थित सूर्य मंदिर के समीप रविवार देर रात की है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया के माध्यम से मुआवजे का ऐलान किया और पदाधिकारियों को कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा है कि बिहिया थाना क्षेत्र के रामडिहरा गांव में आपसी विवाद के बाद तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत और कई लोगों के घायल होने की घटना अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है। इस घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मृतकों के निकटतम परिजन को अनुग्रह अनुदान के रूप में 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने का निर्देश दिया है। प्रशासन को सभी घायलों का बेहतर इलाज सुनिश्चित करने तथा घटना के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। सीएम ने कहा है कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

वारदात को अंजाम देने के बाद सभी बदमाश स्कॉर्पियो लेकर फरार हैं। गांव के लोगों ने बताया कि बिहिया थाना क्षेत्र के रामडीहरा गांव निवासी रामनरेश यादव के 55 वर्षीय पुत्र दिनेश यादव और 50 वर्षीय पुत्र कमलेश यादव की मौत हो गई। दोनों सगे भाई थे। दिनेश यादव के बेटे ने बताया कि जानबूझकर उनकी हत्या की गई है। इस घटना में गांव के राजेश कुमार, रितु कुमार, कृष्णा कुमार एवं रमेश यादव सहित एक अन्य व्यक्ति जख्मी हो गए। सभी घायलों को आरा सदर अस्पताल पहुंचाया गया।बताया जाता है कि दीपावली की रात रामडीहरा गांव स्थित सूर्य मंदिर के समीप जब सभी लोग पूजा करने के बाद छठ पूजा का गाना बजा रहे थे। तभी शराब के नशे में स्कार्पियो सवार दस बदमाश आए गाना बंद करने के लिए कहने लगे। इसी बात को लेकर उनके बीच नोकझोंक हुई, जिसके बाद स्कार्पियो सवार सभी बदमाश स्कोर्पियो पर बैठे और पीछे जाकर तेज रफ्तार में स्कॉर्पियो से सभी को रौंद दिया। सगे भाई दिनेश यादव एवं कमलेश यादव की मौत हो गई, जबकि छह लोग जख्मी हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। इससे पहले स्कॉर्पियो सवार बदमाश फरार हो चुके थे।

दो बाइक की टक्कर...

टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकले तो सड़क पर पांच युवक लहूलुहान हालत में पड़े मिले। रात का समय होने के साथ ठंड और हल्का कोहरा भी छाया हुआ था। दीपावली के कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही भी अपेक्षाकृत कम थी। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।सूचना मिलने के करीब दस मिनट के भीतर स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। बाद में 112 पुलिस की टीम भी पहुंची और सभी पांच घायलों को सरकारी वाहन से सदर अस्पताल सीवान पहुंचाया गया। घायलों में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भटवलिया गांव निवासी अभय कुमार के पुत्र गोलू कुमार की पहचान हुई। इसकी सूचना परिजनों को दी गई। गांव के जनप्रतिनिधि मंजय कुमार भी अन्य लोगों के साथ अस्पताल पहुंचे।

अस्पताल पहुंचने तक तीन युवकों की मौत हो चुकी थी। मृतकों में भटवलिया निवासी गोलू कुमार और रसूलपुर गांव के दो युवक शामिल थे। वहीं, गोपालगंज जिले के मांझागढ़ थाना क्षेत्र के सनाह मठिया निवासी सनीश कुमार को भी चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इस तरह हादसे में मृतकों की संख्या चार हो गई। पांचवें घायल युवक का इलाज जारी रहा।

सभी घायलों के सिर में गंभीर चोटें आई थीं। हादसे की खबर मिलते ही भटवलिया, रसूलपुर और सनाह मठिया गांव से बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए। पूरी रात अस्पताल में परिजनों और ग्रामीणों के बीच अफरा-तफरी और चीख-पुकार का माहौ